देश में मातृ मृत्यु दर घटी, लेकिन एमपी अब भी शीर्ष 3 में शामिल

देश में मातृ मृत्यु दर प्रति लाख 88, मप्र में अब भी 142

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 10 अप्रैल. देश में मातृ मृत्यु दर में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन मध्यप्रदेश अब भी शीर्ष तीन राज्यों में शामिल है. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दिसंबर 2025 में जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट (एसआरएस) के अनुसार भारत में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर)2014-16 में 130 थी, जो 2021-23 में घटकर एक लाख जीवित जन्म में 88 रह गयी है.

मध्यप्रदेश का एमएमआर 142 प्रति लाख पर है. वहीं विशेषज्ञों के अनुसार पिछले तीन वर्षों में देश में 5.93 करोड़ से अधिक संस्थागत प्रसव हुए हैं, जो मातृ मृत्यु में कमी का कारण माने जा रहे हैं.

एएनसी (एंटी नेटल केयर) जांच में राजधानी सबसे आगे

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के एचएमआईएस आंकड़ों के अनुसार गर्भवती महिलाओं की चार अनिवार्य जांच में सुधार हुआ है. रिपोर्ट के तहत 2018-19 की तुलना में 2019-20 में एएनसी कवरेज बढ़ा है. जिसमें भोपाल 119.4 प्रतिशत के साथ सबसे है, वहीं दतिया 104.1 प्रतिशत, जबलपुर 100 प्रतिशत, नीमच 95.8 प्रतिशत और खंडवा 86.7 प्रतिशत के साथ शीर्ष पांच जिलों में शामिल हैं.

शीर्ष 5 की सूची में तीसरे स्थान पर है एमपी

एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश का एमएमआर 2019-21 में 175 था, जो 2020-22 में घटकर 159 हुआ और 2021-2023 में घटकर 142 तक पहुंचा. इसके बावजूद देश में उच्च मातृ मृत्यु दर वाले राज्यों में एमपी तीसरे स्थान पर है. वहीं ओडिसा 153 की संख्या के साथ पहले, छत्तीसगढ़ में 146 की संख्या के साथ दूसरे, उत्तरप्रदेश 141 के साथ चौथे स्थान पर है. तो पश्चिम बंगाल और बिहार 110 की संख्या के साथ 5 वें स्थान पर है. जबकि आंध्रप्रदेश, केरल में यह संख्या प्रति लाख जीवित जन्म में 30, तमिलनाडु में 35 महाराष्ट्र में 36 की है.

मातृ मृत्यु दर में कमी के ये हैं कारण...

संस्थागत प्रसव में तेजी से वृद्धि, जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत मुफ्त इलाज और प्रोत्साहन, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत नियमित जांच और उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान, जैसी योजनाओं मातृ मृत्यु दर को कम करने में मददगार साबित हुई हैं.

पोषण और देर से गर्भधारण भी है समस्या

वर्तमान में महिलाएं देर से विवाह के कारण करीब 30 से 35 की उम्र के बाद गर्भधारण कर रही हैं. जिससे उन्हें इंफर्टिलिटी के लिये भी चिकत्सीय सुविधाओं का सहारा लेना पड़ रहा है. ऐसे में हाइरिस्क प्रेग्नेंसी के मामले बढ़ जाते हैं. जिसकी वजह से भी उनकी जान को खतरा होता है. वहीं महिलाओं के खानपान में भी पोषण की कमी एमएमआर की इस संख्या के लिये जिम्मेदार है.

-डॉ. प्रीति देवपुजारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ, जेपी अस्पताल, भोपाल

प्रदेश में हुई सी-सेक्शन डिलीवरी में बढ़ोतरी

एचएमआईएस रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 में प्रदेश में हुई कुल 29 हजार 754 सी-सेक्शन (सीजेरियन) डिलीवरी में 3 हजार 733 डिलीवरी अकेले भोपाल में हुई. वहीं यह संख्या 2019-20 में बढ़कर कुल हुई 34 हजार 332 सीजेरियन डिलीवरी में 4 हजार 782 तक पहुंच गया. जो कि प्रदेश के सभी जिलों से अधिक है.

साधु-संत और श्रद्धालु की सेवा ही सिंहस्थ में प्राथमिकता

- महाकुंभ 2028 पर सीएम डॉ. मोहन यादव की सीख
- भोपाल में जुटे उज्जैन के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिया सिंहस्थ का मूल मंत्र

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर राजधानी भोपाल में बड़ा आयोजन हुआ, जिसमें महाकाल की नगरी उज्जैन से लगभग 700 से 800 भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे. मंडल अध्यक्ष, बीएलए, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में संगठन से जुड़े लोगों ने भाग लिया.

इस दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यकर्ताओं को सिंहस्थ का मूल मंत्र देते हुए श्रद्धालुओं और साधु-संतों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, सेवा और व्यवस्थाओं की परीक्षा है. उन्होंने स्पष्ट किया कि देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करना सभी का दायित्व है. हर कार्यकर्ता को सेवा भाव से जुड़कर श्रद्धालुओं की मदद करनी होगी.

उज्जैन में मिल रही सौगात

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई. मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन में बड़े स्तर पर विकास कार्य जारी हैं. सड़क चौड़ीकरण, टू लेन से लेकर आठ लेन तक के मार्ग, फ्लाईओवर, एयरपोर्ट, मेट्रो और रोपवे जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं. साथ ही विक्रम उद्योगपुरी के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी तैयार किए जा रहे हैं.

सीएम ने कार्यकर्ताओं के साथ किया सहभोज

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ सहभोज भी किया. नगर भाजपा अध्यक्ष की अनुपस्थिति में प्रभारी अध्यक्ष उमेश सिंह सेंगर ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया. बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भी उनका अभिनंदन किया.

महानगर की तरफ बढ़ता उज्जैन -मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि उज्जैन तेजी से एक आधुनिक महानगर के रूप में विकसित हो रहा है, लेकिन उसकी आत्मा धर्म, आस्था और सेवा में ही बसती है.

देश विदेश से आ रहा निवेश

सीएम ने कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन में निवेश का दायरा लगातार बढ़ रहा है और देश-विदेश के निवेशक यहां रुचि दिखा रहे हैं. मंदिरों का कायाकल्प हो रहा है, नए आश्रम बन रहे हैं और 13 अखाड़ों के साधु-संत सिंहस्थ में भाग लेने के लिए आएंगे. शिप्रा में स्नान और देवालयों के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या करोड़ों में होगी.

सेवा सहयोग और मार्गदर्शन -मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से सुझाव भी लिए और उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया कि किस प्रकार श्रद्धालुओं की सहायता, मार्गदर्शन और व्यवस्थाओं में सहयोग करना है. उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं की सेवा में उज्जैन का हर नागरिक और कार्यकर्ता सहभागी बने.

प्रथम पृष्ठ का शेष ...

चट्टान से टकराकर...

टक्कर इतनी भीषण थी कि नाव का लकड़ी का पटिया टूट गया और उसमें तेजी से पानी भरने लगा. देखते ही देखते नाव असंतुलित होकर पलट गई और उस पर सवार सभी श्रद्धालु पानी में तैरने लगे. चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे बचाव दल ने सभी को पानी से बाहर निकाला. इस हादसे में दो श्रद्धालुओं के फेफड़ों में अत्यधिक पानी भर जाने के कारण उनकी हालत नाजुक बनी हुई है. उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद ओंकारेश्वर से सनावद के सिविल अस्पताल रेफर किया गया है.

प्रशासन मामले की जांच कर रहा- खंडवा एसपी मनोज कुमार राय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रशासन मामले की बारीकी से जांच कर रहा है. वहीं, इस घटना ने एक बार फिर नर्मदा घाटों पर नाव संचालन की सुरक्षा और मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

केंद्र, राज्य कर रहा किसानों से विश्वासघात

पटवारी ने भाजपा नेताओं पर लगाए तीखे आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल, 10 अप्रैल. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को भाजपा सरकार और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने किसानों की अनदेखी की है और चुनावी वादों को पूरा नहीं किया.

गेहूं उपार्जन में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया

भोपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पटवारी ने कहा कि जो नेता खुद को कभी 'किसान पुत्र' बताते थे, वे अब जमीनी हकीकत से दूर हो गए हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान किए गए वादे सोयाबीन का 6000 प्रति क्विंटल, गेहूं 2700 और धान 3100 देने के आज तक पूरे नहीं हुए हैं, जिसके कारण किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ रही है.

संसद में किसानों की आय आठ गुना बढ़ने के दावे पर सवाल उठाते हुए पटवारी ने कहा कि सागर और विदिशा की मंडियों में उनके दौरे के दौरान व्यापक असंतोष देखने को मिला, यहां तक कि भाजपा समर्थक किसान भी नाराज हैं. उन्होंने दावा किया कि गलत नीतियों के चलते प्रदेश के लगभग 80 प्रतिशत किसान बैंक के डिफॉल्टर बन चुके हैं.

> मुख्यमंत्री मोहन यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने प्रशासन में व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आगामी चुनावों में जनता इसका जवाब देगी.

पटवारी ने गेहूं उपार्जन में जानबूझकर देरी करने का आरोप भी लगाया. उन्होंने कहा कि करीब 15 लाख क्विंटल गेहूं पहले ही कम दामों पर बिक गया, जिससे सत्ताधारी दल से जुड़े व्यापारियों को लाभ पहुंचा.

मौसम हुआ साफ, मप्र में बढ़ेगी गर्मी

39 डिग्री तक पहुंचा तापमान

- अगले दिनों में गर्मी और बढ़ने के आसार

भोपाल, 10 अप्रैल. मध्यप्रदेश में बारिश का दौर खत्म होते ही गर्मी ने तेजी से असर दिखाना शुरू कर दिया है. पिछले कुछ दिनों तक आंधी, बारिश और बादलों के कारण तापमान नियंत्रित रहा, लेकिन अब मौसम पूरी तरह साफ और शुष्क हो गया है.

शुक्रवार को कई शहरों में तापमान 35 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया. सबसे अधिक तापमान नर्मदापुरम में 39.3 डिग्री रहा, जबकि रतलाम में 38.6 डिग्री और खरगोन में 38 डिग्री तापमान दर्ज किया गया. राजधानी भोपाल में 34.6 डिग्री, इंदौर में 35 डिग्री और ग्वालियर में 33.4 डिग्री तापमान रहा. अन्य शहरों जैसे जबलपुर, सतना, रीवा और सागर में भी तापमान 34 से 36एडिग्री के बीच बना हुआ है.

पिछले 24 घंटों में पूरे प्रदेश में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं हुई, जिससे 'ड्राई डे' जैसी स्थिति बन गई है. हवा में नमी का स्तर घटकर 15% से 30% के बीच पहुंच गया है, जिससे गर्मी का असर और अधिक तीखा महसूस होने लगा है. हालांकि रात के तापमान में अभी ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है और यह 17 से 22एडिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे थोड़ी राहत मिल रही है. दरअसल, अप्रैल की शुरुआत में लगातार सक्रिय वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण 9 दिनों तक प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर चला, जिससे गर्मी पर ब्रेक लग गया था.

4 से 6 डिग्री तक और बढ़ सकता है तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, 15 अप्रैल के आसपास एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, लेकिन इसका असर मध्यप्रदेश में सीमित रहेगा. ऐसे में आने वाले दिनों में तापमान 4 से 6 डिग्री तक और बढ़ सकता है. अप्रैल और मई को गर्मी के सबसे प्रभावी महीने माना जाता है, इसलिए लू चलने की संभावना भी बढ़ रही है. बार-बार मौसम बदलने से फसलों को भी नुकसान हुआ है. फरवरी और मार्च में कई बार आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं, पपीता और केले की फसल प्रभावित हुई.

मुख्यमंत्री से मिले इंदौर महापौर

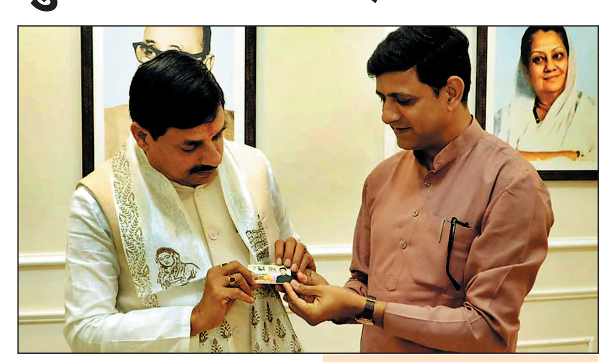

इंदौर, 10 अप्रैल. इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए मार्गदर्शन प्राप्त किया. महापौर ने इंदौर नगर निगम द्वारा हाल ही में प्रस्तुत किए गए डिजिटल बजट की जानकारी डॉ यादव को दी.

- सीम से विकास कार्यों पर चर्चा
- डिजिटल बजट की दी जानकारी
- सोलर प्लांट विधिवत शुरू करने का आग्रह
- डिजिटल पोर्टल को लेकर हुई चर्चा

साथ ही स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत नक्शा शुल्क को सामान्य करने का आग्रह भी किया, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके. मुलाकात के दौरान महापौर द्वारा जलूद में तैयार सोलर प्लांट के को विधिवत शुरू करने लेकर भी चर्चा हुई. इसके अलावा इंदौर नगर निगम के डिजिटल पोर्टल के संबंध में भी विस्तार से बातचीत की गई. महापौर ने पोर्टल के औपचारिक शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया.

म.प्र. राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था

प्रधान कार्यालय, ऑफिस काम्पलेक्स, गौतम नगर, भोपाल-23

दूरभाष : (कार्या.) 0755-2600860, ई-मेल : mpsscaho@gmail.com,

वेबसाइट : www.mpssca.org

निविदा आमंत्रण सूचना

बीज प्रमाणीकरण संस्था के थर्मल ट्रान्सफर प्रिन्टर एवं वेक्स रेजिन रिबन क्रय किये जाना है इस हेतु ऑनलाइन ई-टेण्डर दिनांक 10.04.2026 को अपरान्ह 5.00 बजे से आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदायें, ई-निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर निर्धारित तिथि एवं समय पर आमंत्रित हैं।

इस वेबसाइट पर निर्धारित दस्तावेज, जिसमें निर्देश, शर्तें एवं निविदा कार्यक्रम आदि का विस्तृत उल्लेख है, उपलब्ध हैं।

म.प्र. माध्यम/125293/2026 — **प्रबंध संचालक**

शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: 501, सालकॉन ऑरम, जसोला जिला केंद्र, नई दिल्ली - 110025

CIN: U65900DL2020PLC366027

कब्जे की सूचना (अचल संपत्ति के लिए) नियम 8(1)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक Er. शिवालिक मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 की धारा 13(12) के साथ नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 28-01-2026 को संख्या 100641010769, 100641015818, 100641510021, 100641510149, 100641510172, 100646510550 के लिए मांग नोटिस जारी किया, जिसमें श्री भगवान सिंह वागेला पुत्र मुन्नालाल वागेला (ऋणकर्ता/बंधककर्ता) निवासी -1, शारदा नगर, रतलाम रोड, जिला धार, मध्य प्रदेश, 454001 को भी बुलाया गया। पी.नं. 114, वार्ड नंबर 02, रामकृष्ण नगर कॉलोनी, ग्राम नौगांव बुजुर्ग, जिला-धार, मध्य प्रदेश, 454001। 2. श्रीमती ज्योति वागेला पत्नी श्री भगवान सिंह वागेला (गारंटर) निवासी - 9, शारदा नगर, रतलाम रोड, जिला-धार, म.प्र., 454001। 3. नीरज राठौड़ पुत्र सुरेश राठौड़ (गारंटर) निवासी 168, बख्तावर मार्ग, हटवाड़ा, जिला-धार, मध्य प्रदेश, 454001। 4. लोकेंद्र वागेला पुत्र श्री जगनदेव (गारंटर) 961, बंदीछोड़ मार्ग, साईं मंदिर के पीछे, नौगांव, धार, म.प्र., 454001 उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर। ऋणकर्ता द्वारा राशि का पुनर्भुगतान न कर पाने के कारण, ऋणकर्ता(ओं) और आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 7 अप्रैल, 2026 को नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा कर लिया है। ऋणकर्ता(ओं) को विशेष रूप से और आम जनता को आगाह किया जाता है कि वे संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें और संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन-देन शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड द्वारा रू. 8,50,000/- (आठ लाख पचास हजार मात्र) और उस पर ब्याज के प्रभार के अधीन होगा। ऋणकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसमें गिरवी रखी गई संपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय का उल्लेख है।

अचल संपत्ति का विवरण

संपत्ति पर समतुल्य बंधक: बंधक: स्टॉक और बही खाते के ऋण संपत्ति पर समतुल्य बंधक: आवासीय संपत्ति, क्षेत्रफल 750 वर्ग फुट, 69.67 वर्ग मीटर, क्रमांक 114 (उत्तरी भाग), वार्ड क्रमांक 2, रामकृष्ण नगर, नौगांव बुजुर्ग, धार, मध्य प्रदेश में स्थित। राजस्व अभिलेखों में ई-पंजीकरण क्रमांक MP11920015A1111806, दिनांक 09-10-2015 के तहत श्री भगवान सिंह वागेला पुत्र मुन्नालाल वागेला के नाम पर पंजीकृत।

सीमाएँ:

पूर्व	कॉलोनी रोड	पश्चिम	प्लॉट नं. 97
उत्तर	प्लॉट नं. 113	दक्षिण	विक्रेता भूमि

दिनांक: 07.04.2026 — **Sd/- प्राधिकृत अधिकारी**

स्थान: नोएडा — **शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड**

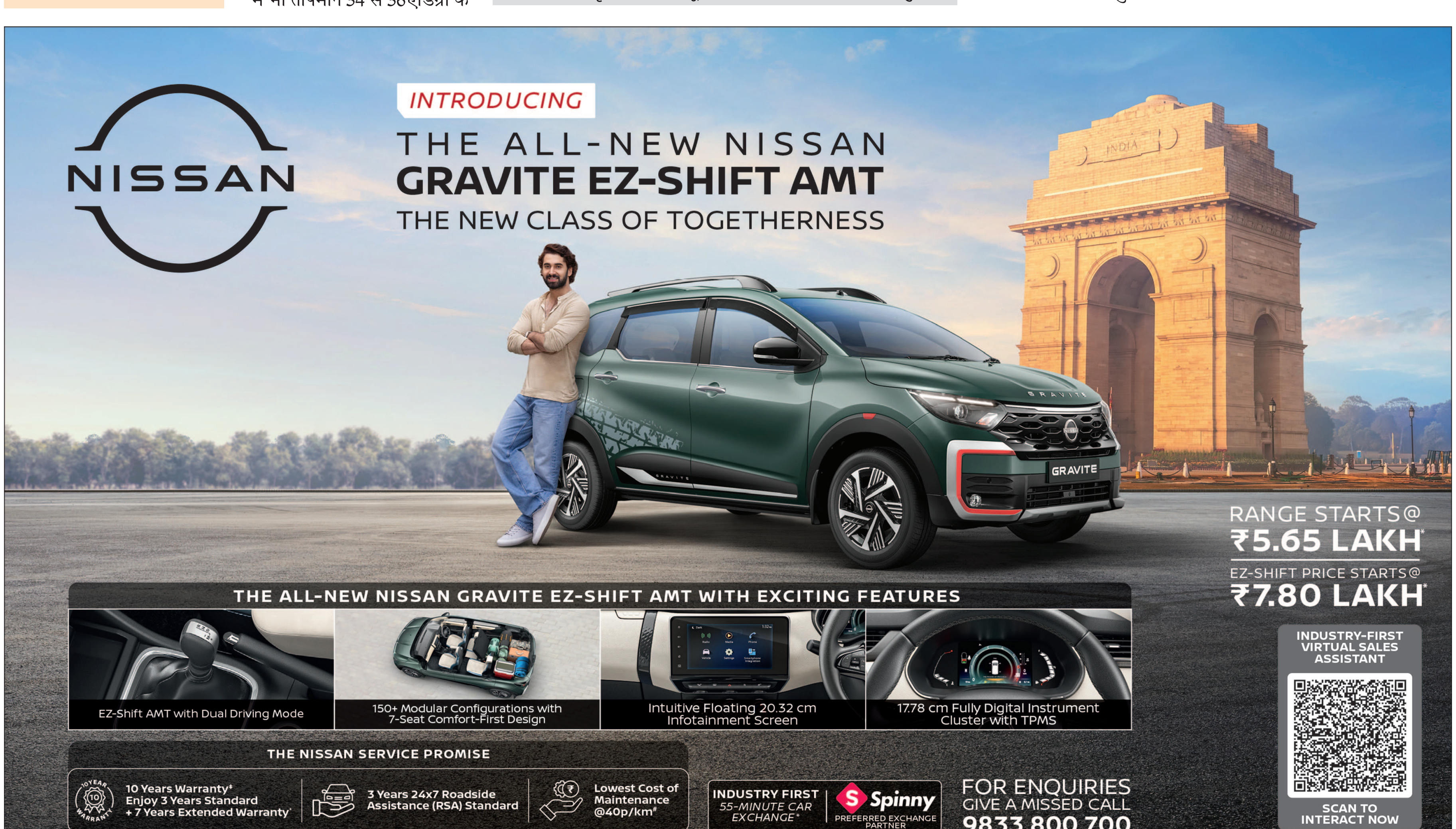

AUTHORIZED NISSAN DEALERS: MADHYA PRADESH: INDORE: GEETA BHAWAN SQUARE: ANAND NISSAN- 8291045843, RAJENDRA NAGAR: SANGHI NISSAN- 8879142084, BHOPAL: KROWN NISSAN- 9152500547, CHHINDWARA: SHREE KRISHNA NISSAN- 8291046174, GWALIOR: SUMEDHA NISSAN- 9619894841, JABALPUR: PLATINUM NISSAN- 8291040124, CHHATTISGARH: RAIPUR: SHIVA NISSAN- 9167298723, BILASPUR: SHIVA NISSAN- 9167196314.

Terms & Conditions Apply, All prices ex-showroom Delhi. The model shown is a Limited Edition Nissan Gravite. Features and accessories shown may not be standard equipment and are subject to change without prior notice. Approved accessories included from trusted Nissan suppliers; they are not 'Nissan Genuine Accessory'. Warranty on such accessories is supported by the supplier and is limited to 1 year from the sale of the vehicle. Finance is at the sole discretion of NRFSI. ‡Standard warranty of 3-year or 1 00 000 km, whichever comes first, and can be extended to 10 years or 2 00 000 km at an additional cost. #Lowest cost of maintenance at 40p in the B-MPV category segment refers to B-MPV models with a length of less than 4m. ~Boot space is as per various modular configurations available in the vehicle. Please consult an authorised Nissan dealer for the latest information on features/specifications before deciding to place an order. Exchange is at the sole discretion of exchange partner

NISSAN FINANCE

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60